डॉ० उमेश मालिक

दाहिर के पराजय के कारण ③ (दूसरा दि)

एक की पराजय दूसरे को प्रभावित नहीं करती थी। सार्वदेशिक सैनिक संगठन के अभाव में दाहिर को अपनी सीमित साधनों के सहारे अरब वालों से संघर्ष करना पड़ा। अतः भारतीय शासकों की उदासीनता दाहिर की पराजय का कारण बन गयी।

(v) अल्पसंख्यक सैनिक :— अरबों की सेना बहुसंख्यक एवं अस्त्र-शस्त्र से परिपूर्ण थी। देवल के युद्ध में सिन्ध और अरबों की सेना का अनुपात एक और छह का था। सिन्धी परन्तु साधन, सैन्य और शस्त्रों के अभाव में शक्तिशाली एवं बहुसंख्यक अरब सैनिकों के सम्मुख सफल नहीं हो सके।

(vi) धार्मिक सहिष्णुता → अरबों के मध्य नया धार्मिक उत्साह था। वे इस्लाम धर्म का प्रचार करने के नाम पर काफीरों एवं मूर्ति-पूजकों की हत्या करना अपना पुनित कर्तव्य मानते थे। हिन्दू धार्मिक

सहिष्णुता में विश्वास रखते थे। ब्राह्मणों ने संस्कृति एवं सामाजिक व्यवस्था की रक्षा के नाम पर वे संगठित नहीं हो सके।

(vii) अयोग्य शासक :—

सिन्ध की पराजय के लिए मुख्य रूप से दाहिर स्वयं उत्तरदायी था। उसकी अकर्मण्यता, अयोग्य नेतृत्व और सैनिक भूलें सिन्ध की पराजय का मुख्य कारण बन गयी।

डॉ० उमेश मल्लिक
इतिहास विभाग
Govt. Deg. College pakur/daya

Next :- मुहम्मद-बिन-कासिम के बाद सिन्ध की स्थिति